Year-2014 | Issue 2

CRWC Logistics समाचार

NEWSLETTER

CENTRAL RAILSIDE WARESHOUSE COMPANY LIMITED
(A GOVERNMENT OF INDIA ENTERPRISES-MINI RATNA)
An ISO 9001:2008 Certified Company

माननीय केन्द्रीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री, श्री रामविलास पासवान ने सीआरडब्लूसी के दिल्ली स्थित शकूरबस्ती आरडब्लूसी का दौरा किया।

सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड, उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक मंत्रालय के अधीन सार्वजनिक क्षेत्र का उपक्रम है यह कम्पनी पूरे देश में अपने 18 रेलसाइड वेअरहाउसिंग परिसरों के नेटवर्क के माध्यम से व्यापार जगत को मल्टी–मॉडल लॉजिस्टिक सेवाएं प्रदान करती है।

माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री, श्री रामविलास पासवान, ने 11.09.2014 को शकूरबस्ती (दिल्ली) आरडब्लूसी का दौरा किया। रेलसाइड वेअरहाउस परिसर, शकूरबस्ती ने जून, 2006 मे कार्य करना आरंभ किया था। यह परिसर मुख्यतः बाहर से आने वाली सीमेंट के रख–रखाव एवं परिवहन हेतु सेवाएं प्रदान करता है। इस टर्मिनल पर 2 वेअरहाउस हैं। इसका कुल क्षेत्रफल 18,027 वर्ग मी. तथा क्षमता 19,330 मी.टन है। इस टर्मिनल पर प्रतिमाह लगभग 15 रैक आते हैं । वर्ष 2013–14 में यहां पर 7,721 वैगन तथा 5,04,870 मी.टन. कार्गो हैंडल किया गया। गत वर्ष में इस टर्मिनल से कंपनी को 7.31 करोड़ रू. आय प्राप्त हुई।

पर्यावरण संरक्षण के उपाय के रूप में इस टर्मिनल पर 3 हरित क्षेत्र विकसित किए गए हैं। इसके अतिरिक्त 10 किलोवाट का एक सौर ऊर्जा पैनल भी लगाया गया है जिससे बिजली की काफी बचत हुई है। माननीय मंत्री महोदय ने रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड की भूरि–भूरि प्रशंसा की एवं टर्मिनल पर प्रयोगकर्ताओं एवं श्रमिकों के लिए प्रबंधन द्वारा और अधिक सुविधाएं उपलब्ध कराने का आग्रह किया।

श्री रामविलास पासवान, माननीय उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्री आरडब्लूसी शकूरबस्ती में पौधारोपण करते हुए। उनके दाएं हैं – श्री आनंदा बोस, अध्यक्ष, सी. आर. डब्लू. सी., श्री के. यू. थंकाचन, प्रबंध निदेशक, सी. आर. डब्लू सी. एवं बाएं श्री बी. बी. पटनायक, प्रबंधक निदेशक, सी. डब्लू. सी. तथा अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण।

सीआरडब्लूसी में स्वच्छ भारत अभियान

सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड में राष्ट्रपिता महात्मा गांधी की जयंती के अवसर पर स्वच्छता अभियान शुरू किया गया । कंपनी के प्रबंध निदेशक श्री के. यू. थंकाचन ने उपस्थित सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता शपथ दिलाई। उन्होंने इस अवसर पर बोलते हुए कहा कि हमें अपने दैनिक जीवन में स्वच्छता को आवश्यक महत्व देना चाहिए। जब तक हमारे आस–पास के वातावरण में स्वच्छता नहीं होगी हमारा काम में मन नहीं लगेगा तथा हम वांछित परिणाम नहीं दे पायेंगे।

प्रायः यह देखा जाता है कि हम अपने घर की सफाई रखते हैं लेकिन अपने आसपास की स्वच्छता पर ध्यान नहीं देते। हमें इस आदत को बदलना होगा और अपने गांव, गली एवं मोहल्ले को भी स्वच्छ रखने में भी योगदान देना होगा। स्वच्छता की तरफ हमारा छोटे से छोटा कदम पूरे देश को स्वच्छ रखने में मदद करेगा। प्रबंध निदेशक सहित कंपनी के सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने हाथों में झाड़ू लेकर कार्यालय के आस–पास की सफाई की एवं कूड़ा इक्ट्ठा कर कूड़ेदान में डाला।

सैन्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कम्पनी लि. ने भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के साथ करार पर हस्ताक्षर किए

सीआरडब्लूसी ने उत्तर–पूर्व में मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक के क्षेत्र में अपने कदम बढ़ाते हुए भारतीय अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण के गुवाहटी स्थित पांडुपोर्ट परिसर में कार्य करने के लिए करार पर हस्ताक्षर किए हैं। सीआरडब्लूसी राष्ट्रीय जलमार्ग संख्या 2 पर आईडब्लूएआई के सहयोग से उत्तर–पूर्व में विभिन्न हितधारकों के लिए कम लागत पर पर्यावरण हितैषी वैकल्पिक लॉजिस्टिक सेवाएं सुविधाए उपलब्ध कराने की योजना बना रही है। पांडुपोर्ट परिसर में पूरे रैक रेलवे साइडिंग सहित दो वेअरहाउस हैं । इसके अतिरिक्त जलमार्ग से माल को लाने–ले जाने के लिए वहां पर एक स्थायी जैटी भी है। राष्ट्रीय राजमार्गो पर अधिक भीड़–भाड़ एवं सीमित रेलवे नेटवर्क के कारण उत्तर–पूर्व राज्यों में लॉजिस्टिक लागत अन्य क्षेत्रों की तुलना में अधिक है। ऐसी परिस्थिति में ऊपरी असम, त्रिपुरा एवं मिजोरम के लिए उत्तर–पूर्व में गुवाहटी को जलमार्ग से माल भेजने/लाने के लिए एक हब के रूप में विकसित करने की प्रबल संभावनाएं हैं।

श्री आनंदा बोस, अध्यक्ष सीआरडब्लूसी एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति में श्री के.यू. थंकाचन प्रबंध निदेशक, सीआरडब्लूसी तथा श्री प्रबीर पाण्डेय, सदस्य (वित्त एवं यातायात) आईडब्लूएआई द्वारा करार पर हस्ताक्षर

सीआरडब्लूसी के निगमित कार्यालय में टर्मिनल प्रबंधकों के पाँचवें सम्मेलन का आयोजन

श्री. के.यू. थंकाचन, प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में 13.08.2014 को निगमित कार्यालय में टर्मिनल प्रबंधकों का एक दिवसीय सम्मेलन आयोजित किया गया । सम्मेलन में निगमित कार्यालय में सभी विभागाध्यक्ष भी शामिल हुए।

प्रारंभ में प्रबंध निदेशक ने टर्मिनल प्रबंधकों का परिचय प्राप्त किया। तत्पश्चात् संबंधित टर्मिनल प्रबंधक द्वारा अपने–अपने आरडब्लूसी के कार्यनिष्पादन की प्रगति पर प्रेजेनटेशन दिया गया।

विभिन्न आरडब्लूसी के प्रेजेनटेशन देखने के पश्चात् प्रबंध निदेशक ने कहा कि निगमित कार्यालय को फील्ड में कार्य करने वाले अधिकारियों की कठिनाईयों एवं चुनौनियों के प्रति और अधिक सजगता दिखाने की आवश्यकता है। इसके अलावा ऐसी व्यवस्था होनी चाहिए कि चालू कॉन्ट्रेक्ट समाप्त होने से 6–7 माह पूर्व एनआईटी जारी हो जाए। हमें अपने टर्मिनलों को आधुनिक सुविधाओं सुसज्जित करने की आवश्यकता भी है।

महाप्रबंधक (वित्त एवं लेखा) ने भी सम्मेलन को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि हमारी कैश बुक पूरी तरह त्रुटिरहित होनी चाहिए तथा सभी विवरण समय पर निगमित कार्यालय में प्राप्त हो जाने चाहिए। महाप्रबंधक (एमएण्डओ) ने फीडबैक का महत्व बताते हुए टर्मिनल प्रबंधकों से आग्रह किया कि वे फीडबैक समय पर भेजें ताकि अलग–अलग आरडब्लूसी के लिए व्यवाहारिक रेट निर्धारित किए जा सकें। सम्मेलन के दौरान प्रबंधन (विपणन) ने समन्वय कार्य को सफलतापूर्वक अंजाम दिया।

अध्यक्ष को धन्यवाद के साथ सम्मेलन का समापन किया गया।

सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी में राष्ट्रीय एकता दिवस' का आयोजन

निगमित कार्यालय में सरदार वल्लभभाई पटेल की जंयती अर्थात् 31 अक्तूबर, 2014 को 'राष्ट्रीय एकता दिवस' मनाया गया। इस अवसर पर प्रबंध निदेशक श्री के.यू. थंकाचन ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों को राष्ट्रीय एकता, अखंडता एवं सुरक्षा को सशक्त बनाने संबंधी शपथ दिलाई। राष्ट्रीय गान के सामूहिक गायन के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन

भारत सरकार के उद्यम, सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड ने 27 अक्तूबर से 1 नवम्बर, 2014 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह आयोजित किया। सप्ताह के पहले दिन प्रबंध निदेशक श्री के.यू. थंकाचन ने निगमित कार्यालय के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को कंपनी के दिन–प्रतिदिन के कार्यों में पारदर्शिता, सत्यानिष्ठा एवं ईमानदारी रखने तथा ग्राहकों को सिद्धांतों पर आधारित मूल्य संवर्द्धित सेवाएं प्रदान करते की शपथ दिलाई।

इस अवसर पर अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित करते हुए श्री थंकाचन ने कहा कि भ्रष्टाचार कैंसर जैसा घातक रोग है, यदि कोई, संगठन इससे ग्रसित हो जाए तो यह उसकी जड़ों को खोखला कर देता है। भ्रष्टाचार रोकने के लिए नियम एवं कानून अपनी जगह हैं, लेकिन इसे रोकने के लिए एक काम हम सभी कर सकते हैं, वह है– कंपनी को पूरी तरह से 'अपना समझना' क्योंकि कोई भी व्यक्ति अपनी चीज को खराब अथवा भ्रष्ट नही होने देता।

जागरूकता सप्ताह के दौरान केंद्रीय भंडारण निगम के उप महाप्रबंधक (सतर्कता) श्री एस.सी.गुप्ता ने भ्रष्टाचार उन्मूलन में प्रौद्योगिकी की भूमिका पर कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों को संबोधित किया। इस विषय पर एक निबंध प्रतियोगिता भी आयोजित की गई तथा तीन उत्कृष्ट निबंधो पर नकद पुरस्कार दिए गए।

कंपनी की फील्ड यूनिटों में भी सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन किया गया।

लॉजिस्टिक उद्योग–संभावनाएं एवं चुनौतियाँ

आर.एन.कौशिक
महाप्रबंधक (एमएंडओ)

लॉजिस्टिक एक ऐसा उद्योग अथवा व्यवसाय है जिसमें व्यापारियों/ ग्राहकों/व्यवसायियों की आवश्यकताओं एवं अपेक्षाओं के अनुरूप वस्तुओं एवं सेवाओं का उत्पादन बिन्दु से उपभोग तक सभी सूचनाओं सहित एक कुशल तथा प्रभावकारी प्रवाह सुनिश्चित किया जाता है। यह एक अत्यंत व्यवसायिक गतिविधि है जिसके लिए एक एकीकृत योजना के अधीन कियान्वयन एवं नियंत्रण किया जाता है।

वस्तुओं के निरंतर तथा सुनिश्चित प्रवाह अथवा उपलब्धता के लिए उनकी पैकेजिंग रख–रखाव, लेखा–जोखा, भंडारण, परिवहन एवं वितरण जैसी प्रक्रियाएं आदि शामिल होती हैं। यह एक व्यापक उद्योग है जिसके लिए नेटवर्किंग एवं आउटसोर्सिंग की निरंतर आवश्यकता पड़ती है।

लॉजिस्टिक उद्योग में सिविल इंजीनियरिंग से लेकर सूचना प्रौद्योगिकी, भंडारण, परिरक्षण, परिवहन जैसी गतिविधियों के लिए सुप्रशिक्षित एवं कुशल व्यक्तियों की आवश्यकता है। इसके अतिरिक्त एक कुशल लॉजिस्टियन से अपने व्यापार क्षेत्र के नियमों, अधिनियमों एवं कराधान प्रणालियों की जानकारी रखना भी अपेक्षित है। वर्तमान में यह उद्योग आपूर्ति श्रंखला प्रबंधन प्रणाली का रूप लेता जा रहा है।

हमारे देश में अंतर्राष्ट्रीय मानकों के अनुसार लॉजिस्टिक लागत अपेक्षाकृत अधिक है जिसका सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) पर भी प्रभाव पड़ता है। वर्तमान में भारत में लॉजिस्टिक लागत कुल जीडीपी का 14 प्रतिशत है जबकि अमेरिका एवं अन्य कई विकसित देशों में यह 9 प्रतिशत है। दूसरे शब्दों में अंतिम प्रयोगकर्ता द्वारा प्रयोग किए जा रहे उत्पादों पर उसे 14 प्रतिशत लॉजिस्टिक्स लागत वहन करनी पड़ती है। अतः इस उद्योग का प्रतिस्पर्द्धात्मक होना आवश्यक है। अच्छी बात यह है कि इस क्षेत्र के लिए कराधाान इत्यादि को सुविधाजनक बनाने के प्रति सरकार जागरूक है।

जहाँ तक सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड का संबंध है, इसका प्रमुख सरोकार अल्प अवधि भंडारण तथा वितरण से है। यह कंपनी इस क्षेत्र मे मल्टीमॉडल लॉजिस्टिक सेवाएं प्रदान कर भारत की अर्थव्यवस्था को सबल बनाने एवं सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है तथा इस दिशा में निरंतर अपनी सेवाएं दे रही है।

आज देश में लॉजिस्टिक के क्षेत्र में अवसर एवं चुनौतियॉ दोनों ही हैं। यह कंपनी के कार्मिकों पर निर्भर करता है वे इनका उपयोग किस प्रकार करते हैं। रिटेल में एफडीआई की अनुमति मिलने तथा नया कैरियर अधिनियम (उच्च मूल्य की वस्तुओं के लिए) लागू होने से इस उद्योग को नए आयाम मिलने की संभावना है। यह उद्योग आउटसोर्सिंग तथा कॉट्रेक्ट लॉजिस्टिक की ओर तेजी से बढ़ रहा है। यह संभावना है कि भविष्य में कोल्ड चेन, 3 पी एल आउटसोर्स एजेंसियां संगठित क्षेत्र का रूप ले लेगी जिससे इस क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। अतः कंपनी को नेटवर्क अर्थव्यवस्था में अपनी भूमिका बढ़ानी होगी। इस दृष्टि से 'नेटवर्किंग सोच' पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

ग्राहकों की अपेक्षाओं एवं आवश्यकताओं में इजाफा होने से अब पारम्परिक उपायों से काम चलने वाला नहीं है। कंपनी को एक विश्वसनीय आपूर्ति श्रंखला की स्थापना के लिए तत्पर रहना होगा जिसके लिए आधारभूत सुविधाओं का सृजन, सूचना प्रौद्योगिकी का भरपूर प्रयोग, बाजार से प्राप्त आंकड़ों की परिशुद्धता, नए उद्योगों की जानकारी तथा अपव्यय रोकने जैसे क्षेत्रों में काम करने की आवश्यकता है। वेअरहाउस मैनेजमेंट सिस्टम, ऑटोमेशन, यांत्रिकीकरण, उपयुक्त वर्कफोर्स मैनेजमेंट जैसे कार्यों को शीघ्र तथा संधारणीय (Sustainable) ढंग से अंजाम देना आवश्यक है जिसके लिए सीआरडब्लूसी को अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। तथापि जब इरादे बुलंद हो तो, नई ऊँचाइयों को भी छुआ जा सकता है।

Employee's Corner

Supervision

Suman Kumar (Sr. Advisor)

Supervision is overseeing the subordinates at work with authority and with an aim to correct the employee, if he is going wrong. Supervisor is an authority who is responsible to get the work done. A supervisor should have the following qualities in order to supervise well.

1. Knowledge of technique of supervision which are of three types---- Autocratic, Democratic and Free reign technique.

   Out of three techniques, it is difficult to pinpoint the best practice. Supervisory practice that is effective in one situation may yield unsatisfactory result in another.

2. Know and Let Know: - A supervisor must know all his men - their work, conduct, skill, their success and failure. Similarly he should let his men know about him. This will create oneness.

3. Unbiased and fair: -- He should not be prejudiced to any of his employees. Otherwise, it may lead to discontent and vitiates the atmosphere.

4. Leadership: -- Unless supervisor possesses the leadership qualities, he naturally will lack the rhythm of supervision and thus desired efficiency in the group cannot be expected.

5. Managerial Skill: - A supervisor must know the management functions, which require him to encourage team spirit in his men and solicit all type of cooperation.

Supervisor is important enough in hierarchy of management. He, in an organization, is in constant and direct touch with the operating staff. Undoubtedly he is responsible for getting the work done. He influences the work environment. He influences and supports the workers. He also influences the attitude, behaviour, conduct and cooperative efforts of the workers under his charge.

However, cooperation, loyalty and acceptability of workers, effective communication, adequate and suitable direction, better human relations and improved upward relations are a few of the tips, which go a long way to make the supervision effective and result - yielding.

"A good supervisor is morale - booster and occupies a pivotal position in an enterprise."

"No person was ever honoured for what he received. Honour has been the reward for what he gave."

निष्कर्ष

युवा – अवस्था में लिखता था मैं
था मेरे पास शब्दों का समुंदर
ज्ञान की परिभाषा भी बता सकता था मैं
शब्दों को भी तोल सकता था मैं।।

थे मेरे गुरू जो थे आषुकवि

धीरे–धीरे उम्र बढ़ी घटने लगी युवावस्था
फिर करता था मैं चितंन –क्योंकि
हो रहा था शब्दों का अंकिचन

जब लिखना हुआ बंद तो हुआ मनस्ताप

शब्दों ने किया था मेरे सत्य के लिए संघर्ष
पर धीरे–धीरे ही निकला उसका निष्कर्ष

आशीर्वाद
सी.आर.डब्लू.सी.

मेरा बचपन

कोई लौटा दे मेरा बचपन का जमाना
ना था कोई गम बस था खुशियों का खजाना
कोई लौटा दे मेरा बचपन का जमाना

कभी चांद को छूने की थी चाहत
तो कभी था तारों का आशियाना
कोई लौटा दे मेरा बचपन का जमाना

स्कूल से आना वो थक थक कर
पर था माँ के हाथों का खाना
कोई लौटा दे मेरा बचपन का जमाना

बारिश में थी वो कागज की कश्ती
और था हर मौसम वो सुहाना
कोई लौटा दे मेरा बचपन का जमाना

जहाँ ना थी वजह कोई रोने की
और ना हसने का कोई बहाना
कोई लौटा दे मेरा बचपन का जमाना

क्यों हो गए बड़े इतने
के लगे ये समय बहुत ही बेगाना
कोई लौटा दे मेरा बचपन का जमाना

दीप्ती सिंह
कार्यकारी (मा.सं.)

स्वच्छता का महत्व

आओ स्वच्छ रखें हम, अपने सार्वजनिक स्थान।
सैलानी के लिए हैं ये, हमारी प्रथम पहचान।।

स्वच्छ रहे हर गांव – शहर, विख्यात हो जाए नाम।
घर–घर की सफाई से नहीं चले भई काम।।

सड़क–बस रेल–मैट्रो, सबके आती काम।
उन्हें स्वच्छ रखने में, नहीं लगे कोई दाम।।

स्वच्छता रखे जरूरी, दूर रहेंगे रोग।
प्रथम सुख निरोगी काया, कह गए सभी लोग।।

रणधीर सिंह
वरिष्ठ परामर्शदाता (रा.भा.)

New Joining in CRWC

Deputation		
Shri Saleem Ahmed	Superintending Engineer	22.09.14
Executive Regular		
Shri Nikhil Shrivastava	Executive - L/O/M	21.08.14

MD's Desk

It gives me great pleasure to take over as Managing Director of CRWC, a company which has shown sustained growth and dynamism in the past few years and holds immense potential.

The success of any company is dependent on its human resources. I am certain that each one of you has contributed in your own way to the growth of the company and is committed to its future development as well. Together, as a team, we can achieve greater heights.

As a company, CRWC has achieved several milestones, thanks to the vision and dynamism of our previous Managing Directors and support from our parent company, CWC and the Ministry. We are now poised to open new vistas by commencing parcel services between Chalakudy and Moga. We have also recently executed an agreement with Inland Waterways Authority of India (IWAI) for operating the warehouse at Pandu Port. The terminal at Jogeshwari is also under completion and we expect to commence operation shortly.

Ten new terminals have been announced to be handed over to CRWC by the Hon'ble Railway Minister in his maiden budget speech for developing warehouses with temperature controlled storage facilities. Construction of a liquid cargo terminal at Kandla and warehousing facility at Dahej are on the cards. We are also looking at various other opportunities in the logistics sector

All these new developments pose huge challenges to us in terms of resource augmentation and manpower development. It also calls for hardwork, commitment and dedication on the part of the entire CRWC team. I look forward to carving out a bright future for CRWC in association with all of you.

K.U. Thankachen

सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कम्पनी लि. ने अपनी 7वीं वार्षिक आम बैठक आयोजित की

सैन्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कम्पनी लि. की 7वीं वार्षिक आम बैठक 22.08.2014 को पीएचडी हाउस, नई दिल्ली में कंपनी के अध्यक्ष डॉ. सी. वी. आनंदाबोस की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर अपने अध्यक्षीय सम्बोधन में डॉ. आनंदाबोस ने कंपनी के कार्यनिष्पादन तथा उपलब्धियों की जानकारी देते हुए बताया कि सीआरडब्लूसी ने वर्ष 2013–14 में अपने 18 रेलसाइड वेअरहाउसिंग परिसरों में 1,25,700 वैगन हैंडल किए । कंपनी का टर्नओवर गत वर्ष के 83.92 करोड़ रू. से बढ़ कर 91.32 करोड़ रू. हो गया । कंपनी का कर पूर्व लाभ 27.94 करोड़ रू. रहा जबकि गत वर्ष यह 24.47 करोड़ रू. था। कंपनी ने वर्ष 2013–14 में केंद्रीय भंडारण निगम को लाभांश के रूप में 6.08 करोड रू. का भुगतान किया।

इस अवसर पर श्री के.यू. थंकाचन, प्रबंध निदेशक, सीआरडब्लूसी ने कंपनी की नई पहलों/भविष्य की रणनीति तथा गतिविधियों में विविधता तथा विस्तार की योजनाओं से कंपनी के अंशधारियों को अवगत कराया । उन्होंने कहा कि कंपनी ने आईडब्लूएआई, इफ्को, डीएफसी जैसी एजेंसियों के सहयोग से संयुक्त उद्यमों तथा रणनीतिक भागीदारी के

माध्यम से वेअरहाउस तथा लॉजिस्टिक पार्क स्थापित करने की कई योजनाएं बनाई हैं। उन्होंने बताया कि कांडला में तरल कार्गो टर्मिनल तथा दहेज (गुजरात) में भंडारण सुविधा विकसित करने की योजना भी है। तापमान नियंत्रित भंडारण सुविधाओं से युक्त 10 अतिरिक्त टर्मिनल विकसित करने का कार्य भारतीय रेल द्वारा सीआरडब्लूसी को सौपा जाना भी प्रस्तावित है।

श्री थंकाचन ने अंशधारियों को आश्वासन दिया कि आने वाले समय में कंपनी लॉजिस्टिक एवं वेअरहाउसिंग के क्षेत्र में और नई ऊचाइंयों को छुएगी। उन्होंने खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण विभाग, भारत सरकार, भारतीय रेल, केन्द्रीय भंडारण निगम तथा अन्य हितधारकों को कंपनी के प्रबंधन में उनके निरंतर विश्वास के लिए कंपनी की ओर से उनका हार्दिक आभार प्रकट किया ।

सीआरडब्लूसी में सांस्कृतिक एवं राजभाषा पुरस्कार वितरण का समारोह का आयोजन

सैण्ट्रल रेलसाइड वेअरहाउस कंपनी लिमिटेड में एक रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं राजभाषा पुरस्कार वितरण समारोह आयोजित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम का शुभारंभ कंपनी की महिला कार्यकारी अधिकारियों द्वारा प्रस्तुत "सरस्वती वंदना" से किया गया । तत्पश्चात कंपनी के अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने स्वंय रचित कविताओं, लोक संगीत एवं युगल गानों द्वारा भारतीय संस्कृति की एक मनमोहक तस्वीर प्रस्तुत की।

कंपनी के प्रबंध निदेशक के.यू. थंकाचन ने कार्यक्रम के दौरान हिंदी पखवाड़े में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेताओं एवं वर्ष 2013–14 के दौरान हिंदी में अधिकाधिक काम करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को पुरस्कार प्रदान किए । इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि कंपनी में इस तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम समय–समय पर आयोजित किए जाने चाहिए । इस तरह के कार्यक्रमों से जहां अपनी संस्कृति और सभ्यता की एक झलक देखने को मिलती है वहीं कंपनी के प्रति अधिकारी एवं कर्मचारी में अपनत्व की भावना बढ़ती है। हिंदी तथा भारतीय भाषाएं हमारी अपनी भाषाएं हैं। अतः इनके प्रयोग में हमें गर्व महसूस करना चाहिए। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले सभी अधिकारियों एव कर्मचारियों को कंपनी की ओर से स्मृति चिह्न प्रदान किए गए ।

Central Railside Warehouse Company Ltd bagged two Quality Excellence Award for Fastest Growing Company & CEO of the year.

CRWC Ltd achieved quality excellence award for Fastest Growing Company & CEO of the year to its Ex. MD from the World Quality Congress & Awards at Taj Lands End, Mumbai.

(Sh. R.N.Kaushik,GM(M&O),CRWC receiving excellence award for Fastest Growing Company & CEO of the Year on behalf of Sh. Vinod Asthana, Ex. Managing Director /CRWC conferred by" the World Quality Congress & Awards" at Taj Lands End, Mumbai.

Mr Manoj Kumar Sharma, Public Relation Officer, Central RailSide Warehouse Company Ltd. (CRWC) has been conferred with Media Ratan Award 2014 for achieving excellence in public relations. Mr. Manoj Tiwari, honourable MP and Ms. Pinki Anand, Additional Solicitor General of India presented the award, instituted by Indraprastha Media Club of India .

Published by :
Central Railside Warehouse Company Limited,
Please address all correspondence to
– **The Editor "CRWC Logistics Samachar"**
Ground Floor, Pragati Maidan Metro Station Building, New Delhi - 110001, Phone : 011-23480120, Fax : 011-23379434
E-mail : pro@crwc.in, www.crwc.in

Sh.K.U.Thankachen

takes over as Managing Director, Central Railside Warehouse Company Ltd.

K.U.Thankachen is a seasoned professional in the field of logistics and warehousing with over 25 years of experience. He started his career with Airports Authority of India in the year 1987 and joined Container Corporation of India Ltd. in the year 1995. He has held various important positions in Marketing, Commercial and Operations functions within CONCOR. He was posted as Chief General Manager, Central Region of CONCOR at Nagpur having jurisdiction of 5 terminals at Nagpur, Bhusawal, Aurangabad, Raipur and Mandideep from September, 2010 to April, 2012. Thereafter, he was posted as head of the largest Inland Container Depot in Asia at Tughlakabad, New Delhi from April, 2012 to September, 2013. He also recently attended a one year international MBA programme organised by International Centre for Promotion of Enterprises, Ljubljana, Slovenia.

K.U.Thankachen completed his schooling from Loyola School, Trivandrum and higher secondary education from Mayo College, Ajmer. There after, he completed his graduation in Physics from St.Joseph's College, Devagiri, Kozhikode and M.B.A with specialisation in Marketing from Department of Commerce & Management Studies, University of Calicut in the year 1986.

पार्सल कार्गो एक्सप्रैस गाड़ी के परिचालन का शुभारंम्भ

श्रीमती सरला बालागोपाल, मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (दक्षिण रेलवे) हरी झण्डी दिखा कर पार्सल ट्रेन परिचालन का शुभारंम्भ करते हुए

रेलवे की तर्ज पर व्यापार जगत के लिए लॉजिस्टिक सेवाएं प्रदान करने की दिशा में अग्रसर होते हुए कंपनी ने 15 अक्तूबर 2014 को केरल के चलकुड्डी से मोगा (पंजाब) तक एक विशेष डेडिकेटिड पार्सल गाड़ी का परिचालन शुरू किया है।

चलकुड्डी रेलवे स्टेशन से श्रीमती सरला बालागोपाल, मुख्य वाणिज्यिक प्रबंधक (दक्षिण रेलवे) ने हरी झंडी दिखाकर पार्सल ट्रेन का शुभारंभ किया। इस अवसर पर श्री पी. महेश, अपर मंडल रेल प्रबंधक, डॉ. एम. पी. सुकुमारन नायर, स्वंतत्र निदेशक, सी. डब्लू. सी., श्री प्रदीप कुमार, निदेशक, सी. डब्लू. सी. तथा श्री के.यू. थंकाचन प्रबंध निदेशक, सीआरडब्लूसी तथा अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।